

12-5-16 पत्रावली पेश हुई। न्याय आपके

द्वारे अधिसूचना 2016 के अन्तर्गत केस में रजिस्ट्रार

नं. 281/16 ग्राम स्वायत्त नरोल

को पेश है।

उपखण्ड अधिकारी सर्वदा

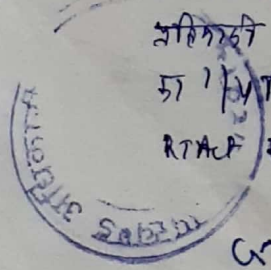
वीणा लाल पाठ
29.6.16
के.के. वृद्धीरा
जगदीश



पत्रावली पेश हुई। वहील बाकी धारित। प्रहिकारी के वहील धारित प्रकरण में जमाबंदी कर पेश हुआ। प्रकरण में वहील जमाबंदी देना गरी नारहे है, सीपी बरस करना नारहे है अतः तनकी श्री आकरयतता वही होने से प्रकरण में वहील बाकी की बरस रुकी गई। प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि ग्राम नरोल की जमाबंदी सं. 2069-72 के खारा सं. नया-पुराना 363-344 खसरा नं. 79 रकबा 00-07-00 गै. मु. आ. से वादीगण का 3/8 हिस्सा है। वादीगण का विवेक है कि प्रहिकारीगण स्वयं उनके अधिनस्थ असाथीय-कारिगण, निरंतरकार बजदर एवं विवेकगण दिवंगत गली सीरी इत्यादि के जरिये स्थायी निवेकता प्रबंध किया जाके कि वादवर्तित नार व खुली भूमि जिसमें वादीगण का संयुक्त 3/8 हिस्सा में है उसमें वादीगण के कच्चे खास स्थायित्व व अधिनस्थ से किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करे न ही उक्त खुली भूमि में अधिनस्थ से कच्चे खास न ही करल जाके। न ही आने जाने में बाधा उत्पन्न। वादिन दरकार से मनसुल व बाज रखाके।

प्रहिकारी के लक्ष्य वहील श्री एन. सी. जैन ने विवेक गणित करके हुए बताया कि खसरा नं. 79 रकबा 0-07-00 गै. मु. आ. है। वादीगण इस आबादी हुए से 3/8 हिस्से के लक्ष्य है। वादीगण उनके हिस्से अनुसार हुए का उपयोग उपयोग कर रहे हैं विल पडी हुई भूमि का वादीगण उपयोग उपयोग कर रहे हैं, दिनांक 5-9-15 को प्रहिकारीगण ने उक्त कच्चे धरती गली ही है। वादीगण के कालत तथ्यो के आधार पर सूबा दावा किया है। अतः जारी शासित जगदर वाद खासि किया जाके। जमाबंदी कर पेश हुआ जो शामिल पत्रावली दिया गया।

इसमें जमाबंदी वहील की बरस कर गौर किया। ग्राम नरोल की जमाबंदी सं. 2069-72 के खारा सं. नया-पुराना 363-344 खसरा नं. 79 रकबा 00-07-00 गै. मु. आ. से वादीगण का 3/8 हिस्सा है। प्रहिकारी सं. 148 का 1/8 हिस्सा, प्रहिकारी सं. 3 से 5 का 1/8 हिस्सा प्रहिकारी सं. 6, 7 का 1/16, 8 से 10 का 1/16, प्रहिकारी सं. 11, 12 का 1/16 हिस्सा है। अतः वादीगण का वाद वर्तित धारा 188, 203, 220 R.A.C. का खोदकर किया जाता है तथा प्रहिकारीगण स्वयं उनके अधिनस्थ



असाध्यीय, कारिसान, विरलेदार, बज्जदूर एवं विखणन हिलेपी, हाली-
 सीरी इत्यादि को जाये स्थायी निर्बंधना पाषंड किया जाता है कि
 वाकवर्णित चाह व खुली भूमि विसये वारीगण का संयुक्त 318 हिस्सा
 सिद्ध है उसमे वारीगण के मुझे स्थामित्त व आधिपत्य के किसी
 प्रकार की बाधा उत्पन्न नही करे। न ही उक्त खुली भूमि के
 वारीगण के हिस्से 318 लड करत करे, ना कराके। किन्दि फर्क
 इस आशय का जारी हो, खर्चा फर्किने अपना अपना करत
 करे।

विर्णय युक्त न्यायालय अरत सेवा डेण्ड बरोल के
 सुनाया गया।



[Signature]

सदस्य
 नव अदालत
 सरवाड

[Signature]

सदस्य
 नव अदालत
 सरवाड

५१

उपरवण *[Signature]*
 सरवाड जिला-जजमर